

सुनलो सुनलो, अब मैं सुनलो ॥२॥

सुनलो सुनलो, अब आज मेरी मैया

नॉव दूटी भवर में है मैया ॥२॥ हॉ नॉव दूटी

सुनलो सुनलो - - - - - नॉव दूटी - - - - -

① आये तूफ़ाँ उर नदिया है गहरी

ऐसे में आश करदो मैं पूरी

मेरी मैया की, बनजा मैं शिवैया ॥२॥

नॉव दूटी - - - - - सुनलो सुनलो - - - - -

② आसमा में हैं, काली घटाये

बिजली कड़की है, मैं क्या बताये

नहीं दिखता किनारा, न जुँधैया ॥२॥

नॉव दूटी - - - - - सुनलो सुनलो - - - - -

③ पानी घनचोर है जो बरसता

पार होने को, जियरा तरसता

दूजा कोई नहीं, मैं सुनैया ॥२॥

नॉव दूटी - - - - - सुनलो सुनलो - - - - -

(16)

रोते दिल ने मैं तुमको पुकारा ^{sssss}
मैंने तुमको ही माना सहारा ^{sssss}
उड़ न जाय कहीं जीवन चिरैया ^{sssss} ॥२॥

नॉव टूटी - - - - - सुनलो सुनलो - - - - -

(17)

तुमको तेरा भरोसा है भारी ^{sssss}
लौज रख लेना अब मैं हमारी ^{sssss}
विनती " श्रीबाबा श्री " की जगर चैया ^{sssss} ॥२॥

नॉव टूटी - - - - - सुनलो सुनलो - - - - -